शहरी नवीकरण परियोजना



Conservation



Environment



Cultural Revival



Trainings & Workshops

दिल्ली शहर के बीचों–बीच स्थित "निज़ामुद्दीन संरक्षण क्षेत्र" में विश्व विरासत "हुमायूँ का मकबरा" और उसके पास स्थित सुंदर नर्सरी, बताशेवाला कॉम्प्लेक्स और हज़रत निज़ामुद्दीन बस्ती शामिल हैं। इस परियोजना के अंतर्गत, क्षेत्र का सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व बढ़ाकर इसे दिल्ली के एक ऐतिहासिक ज़िले में बदलने का प्रयास है। आज जो धरोहर–संपदा अलग–थलग है, उसे एकरूप देकर एक विशिष्ट स्वरूप प्रदान किया जाएगा जिससे भावी पीढ़ियों को भी लाभ होगा।

इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारक मौजूद हैं। यह परियोजना न सिर्फ़ इन स्मारकों का संरक्षण और पुनरूद्धार करने में प्रयासरत है, बल्कि बस्ती के लोगों के लिए कई सामाजिक–आर्थिक विकास कार्य भी चलाए जा रहे हैं जिससे यह क्षेत्र दिल्ली का एक प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक केन्द्र बन जाएगा। निज़ामुद्दीन बस्ती का धार्मिक सौहार्द और "जीवंत संस्कृति" दुनिया पर उजागर होगी।

इस परियोजना में स्थानीय समुदाय और इससे जुड़े भागीदारों से विमर्श करके संरक्षण, सामाजिक–आर्थिक विकास तथा पर्यावरण विकास के कार्यों और उद्देश्यों को अंजाम दिया जा रहा है।

Located in the heart of New Delhi, the Nizamuddin Conservation Area comprises the World Heritage Site of Humayun's Tomb and its surrounding areas of Sunder Nursery, Batashewala Complex and Hazrat Nizamuddin Basti. The Urban Renewal project aims to unify the presently segregated zones of the conservation area into an urban historic district of considerable cultural significance.

This project area was chosen for the high number of significant buildings in the area, potential of the conservation initiative to be coupled with a socio-economic development programme that would benefit a resident population, the importance of a 'living culture' showcasing exemplary religious tolerance within a prominent location in the capital.

The project integrates Conservation, socio-economic development and environmental development objectives, carried out in consultation with local communities and relevant stakeholders.



Education



Health



Urban Improvements



Livelihood Generation



Partner Agencies

Archaeological Survey of India | Central Public Works Department | Municipal Corporation of Delhi

Aga Khan Trust for Culture | Aga Khan Foundation

Co-Funded by

Sir Dorabji Tata Trust | Ford Foundation | World Monuments Fund | Sir Ratan Tata Trust | U S Embassy | J M Kaplan Fund

Urban Renewal Project

Aga Khan Development Network Initiative

उद्देश्य

- यादगार स्मारकों के सौन्दर्यमय और ऐतिहासिक मूल्यों को प्रदर्शित करना, उनका संरक्षण और पुनरूद्धार करना
- प्रशिक्षण के अवसरों द्वारा, पारंपरिक शिल्प–कला का पुनरूद्धार और संरक्षण करना

Humayun's Tomb

- Reveal, Conserve and Restore the aesthetic and historical value of the monuments
- Revive and Preserve traditional building craft traditions through training opportunities

- लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य और अर्थ–व्यवस्था का अवसर देना, शहरी वातावरण को बेहतर बनाना, स्थानीय समाज के जीवन स्तर में सुधार लाना
- पारंपरिक संगीत, शिल्पकला और ऐतिहासिक धरोहरों को पुनरूद्धार और संरक्षण के द्वारा नया सांस्कृतिक जीवन देना

Hazrat Nizmauddin Basti

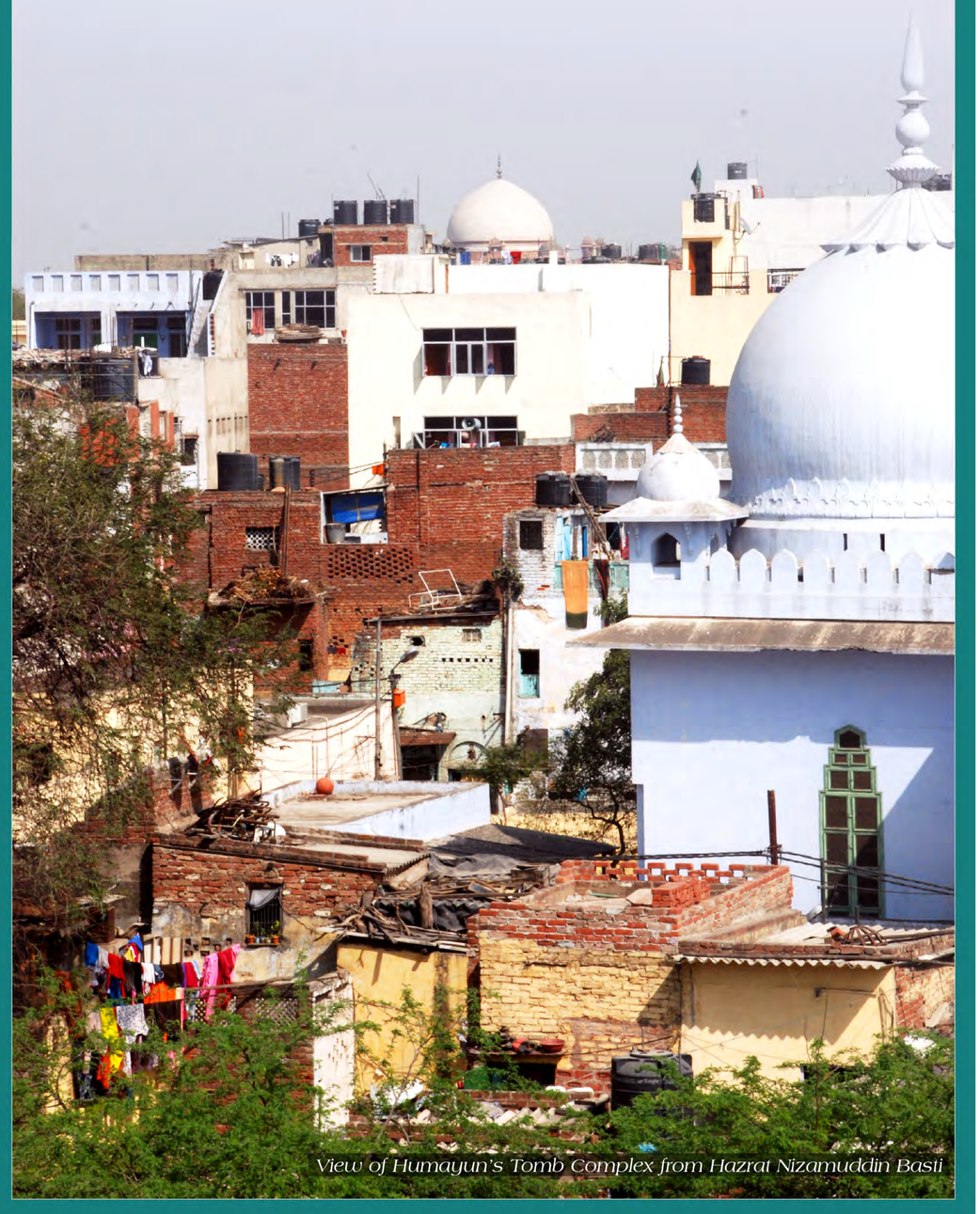
- Improve the quality of life for local communities through improved urban environment and access to education, health, and economic opportunities
- Cultural Revival through documentation and dissemination local music, heritage and craft traditions

- भावी पीढ़ियों के लिए एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थान बनाना जिसमें अनूठे प्राकृतिक स्थल और सांस्कृतिक संपदा हो
- दिल्ली की सबसे पहली वनस्पतिशाला स्थापित करना और पर्यावरण संबंधी शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए प्रकृति–पथ विकसित करना

Sunder Nursery

- Create a significant public space with vibrant ecological - heritage zones and cultural assets for future generations
- Establish Delhi's first arboretum and develop Nature trails to promote environmental education

Objectives



View of Humayun's Tomb Complex from Hazrat Nizamuddin Basti

Humayun's Tomb
Sunder Nursery
Nizamuddin basti

urban renewal initiative

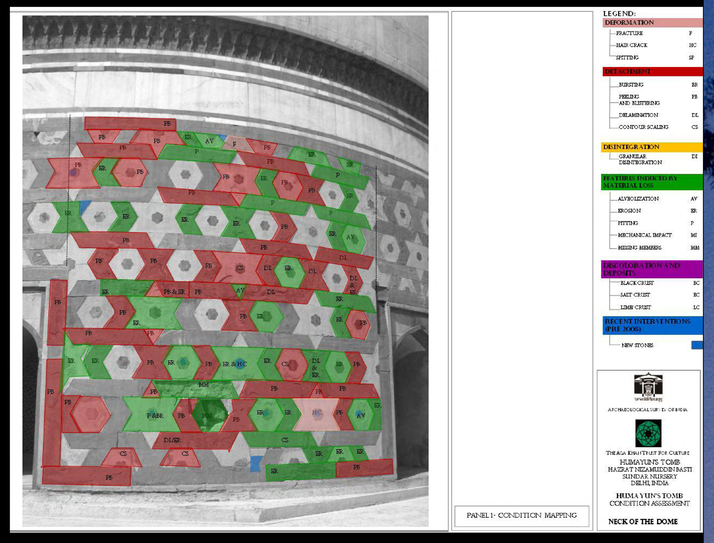
A Public-Private Partnership initiative of Archaeological Survey of India
Municipal Corporation of Delhi – Central Public Works Department
Aga Khan Foundation – Aga Khan Trust for Culture

Documentation



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा। वर्श 1555 में ही वह अपनी गद्दी वापस सका, पर दीन पनाह में लंबा और षांतिपूर्ण जीवन सका।

3D Laser Scanning, Ground Penetrating Radar Survey (GPRS) are some of the modern tools of documentation being used to ensure an accurate record that is used for a stone-by-stone condition assessment to inform conservation decisions.



Trainings & Workshops



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा।

The project is used as a platform for training of conservation professionals and craftsmen from countrywide locations in use of lime mortar, documentation, and sandstone craftsmanship.

Craftsmanship



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा। वर्श 1555 में ही वह अपनी गद्दी वापस सका, पर दीन पनाह में लंबा और षांतिपूर्ण जीवन सका। बस 48 साल की उम्र में ही अपने पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर उसकी मौत हो गई! षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा।

Conservation of the significant monuments that stand in the project area has had recourse to state-of-art technology coupled with reviving expertise on near-extinct crafts, materials and techniques through training. Promotion of Intangible heritage and community involvement are an integral part of the conservation effort.



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा। वर्श 1555 में ही वह अपनी गद्दी वापस सका, पर दीन पनाह में लंबा और षांतिपूर्ण जीवन सका।

The area has a rich legacy of Sufi traditions including the music and poetry associated with the 14th century Sufi Hazrat Nizamuddin Auliya and his disciple, the legendary poet-composer Amir Khusrau. The cultural revival initiative seeks to revitalise the practise of Qawwali and has extended its ambit to the work of Amir Khusrau in all genres..

Over 10,000 people attended the ten day Jashn e Khusrau festival in March 2010 held at Nizazuddin Basti and India International Centre

Community Involvement



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा। वर्श 1555 में ही वह अपनी गद्दी वापस सका, पर दीन पनाह में लंबा और षांतिपूर्ण जीवन सका।

To integrate the youth from local communities with the conservation effort, a group of 25 are being trained to interpret their heritage for visitors. The exhaustive training programme builds on their understanding of oral traditions. The heritage volunteers also lead a heritage awareness programme for children of the area.

Heritage Awareness



Livelihood Generation



षेरषाह सूरी और उसके बेटे ने दिल्ली पर 15 साल षासन किया। इस दौरान हुमायूं पष्चिम एषिया में इधर–उधर भटकता रहा। वर्श 1555 में ही वह अपनी गद्दी वापस सका, पर दीन पनाह में लंबा और षांतिपूर्ण जीवन सका।

The craft of paper-cutting was introduced to create income generation opportunities for women and girls. The craft is linked with the culture and heritage of the area through its use of design elements and motifs from local monuments.

Alam-E-Khusrau

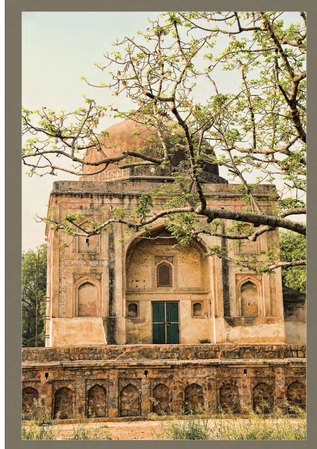


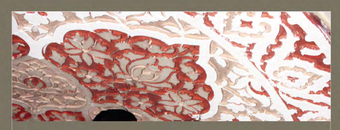
हुमायूँ के मकबरे और हज़रत निज़ामुद्दीन बस्ती क्षेत्र में असंख्य मध्ययुगीन इस्लामी ऐतिहासिक इमारतें स्थित हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिवर्ष लाखों सैलानी और तीर्थयात्री आते हैं। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में उच्चतम संरक्षण कार्य किए जा रहे हैं जो न केवल भारत, बल्कि विश्व–मान्यता प्राप्त सिद्धांतों के अनुरूप हैं। स्मारकों का संरक्षण कार्य और इसके मौलिक स्वरूप और डिज़ाइन को बरकरार रखने के लिए सैंकडों निपुण शिल्पकार पारंपरिक निर्माण सामग्री और प्रणाली का इस्तेमाल करते हैं। ऐतिहासिक इमारतों पर कार्य शुरू करने से पूर्व उनकी कला एवं निर्माण पद्धति संबधित सारे अध्ययन किए जाते हैं; इमारत की दशा एवं संरचना जानने के लिए उच्च–स्तरिय और सटीक सर्वेक्षण और दस्तावेज तैयार किए जाते हैं; नियमित रूप से संरक्षण कार्यों का विश्लेषण विशिष्ट व्यक्तियों और वास्तुकारों से करवाया जाता है।

आगा खान ऐतिहासिक नगर कार्यक्रम परियोजनाएँ ऐतिहासिक नगरों में इमारतों और सार्वजनिक स्थलों के संरक्षण और उनके पुनः प्रयोग को बढ़ावा देती हैं जिससे सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास हो।

The Humayun's Tomb-Nizamuddin area is one is one of the densest ensemble of medieval Islamic buildings in India, inhabited by a vibrant local community being visited by millions of tourists and pilgrims each year. Conservation works being undertaken on the monuments in this area are in adherence with the established Indian and international conservation philosophy and principles. It stringently maintains authenticity of the original design in both form and material by employing hundreds of master craftsmen working with traditional building materials. All conservation work is preceded by archival research, high definition surveys, structural assessments and peer review.

The Aga Khan Historic Cities Programme projects promote the conservation and re-use of buildings and public spaces in historic cities in ways that can spur social, economic and cultural development.







Lakkarwala Burj
Early-Mughal

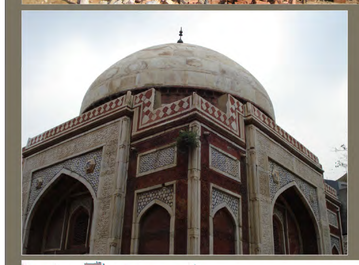


More than just a green space in the heart of the city, the Sunder Nursery literally in the midst of history.Located on the 16th century Grand Trunk Road the nursery is within the buffer zone of the Humayun's Tomb World Heritage Site. The monuments that stand here are being carefully conserved using traditional materials and building crafts.

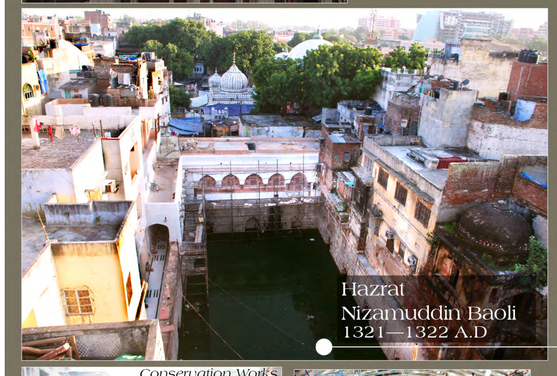
Sunder Burj
Early-Mughal



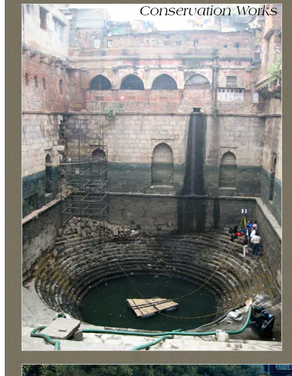
Sunderwala Mahal
Early-Mughal



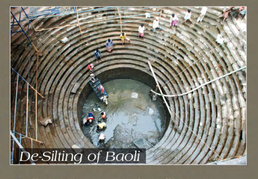
Atgah Khan's Tomb
1566-67 A.D



Hazrat
Nizamuddin Baoli
1321—1322 A.D

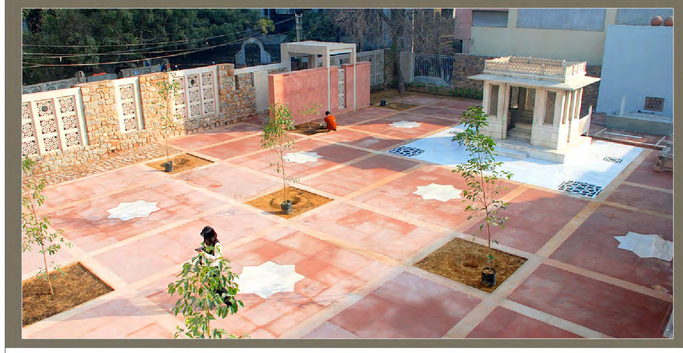


Conservation Works



De-Silting of Baoli

Following partial collapse of the 14th century stepwell conservation works have included de-silting and enhancing the setting of the structure, needing over 8000 man-days of work.



Mirza Ghalib's Tomb
1869 A.D

The area comprising of Chaunsath Khamba, Urs Mahal courtyard and Mirza Ghalib Tomb, form the largest open space in Nizamuddin Basti. It is proposed to implement a sensitively designed landscape scheme integrating the three monuments, thereby enhancing the cultural significance of the place.

Chaunsath Khamba
1623-24 A.D.





This 18th century garden pavilion was in a ruinous condition and threatened with demolition to make way for a "tunnel-road" project. Today this unique building is being considered for protection, thanks to the conservation work carried out by master craftsmen.



Garden Pavilion

Unknown
Mughal's Tomb



Bara Batashewala
1603 A.D.



East Pavilion,
Humayun's Tomb

20th century cement plaster was replaced with a traditional lime plaster coupled with repairs to stone elements on the roof and plinth.

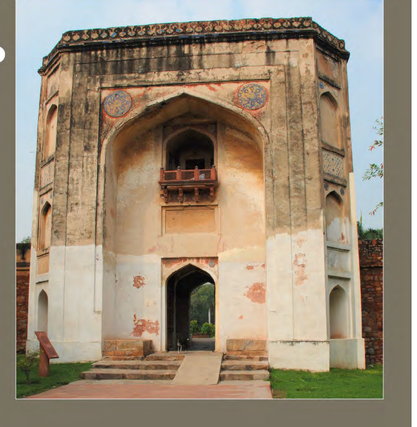


Nila Gumbad

Nila Gumbad stands adjoining Humayun's Tomb and is the earliest Mughal period monument in Delhi. It is also of high significance owing to the unique tilework that ornaments the façade of the structure



Bu-Halima's Complex



Isa Khan's Complex
1547 A.D.



Batashewala
Complex

Sunder Nursery

Humayun's Tomb
Complex

Hazrat
Nizamuddin Basti

शहरी विकास Urban Improvements 4



Restoring the urban environment

इस कार्यक्रम का उद्देश्य निज़ामुद्दीन बस्ती के लोगों के जीवन–स्तर में सुधार लाना, सैलानियों को बेहतर परिवेश देना, महत्वपूर्ण स्मारकों का पुनरूद्धार करना और खुले स्थलों का विकास करना है। ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के स्थलों के विकास से बस्ती का महत्व भी बढ़ेगा।

शहरी योजनाओं के दस्तावेज बनाने और उनका विश्लेषण करने के लिए बस्ती का सर्वेक्षण कराया गया। फलस्वरूप स्थानिक और पर्यावरण संबंधी समस्याओं, पार्क और बस्ती–संबंधी समस्याओं का पता चला जो सुधार कार्य योजना बनाने में सहायक सिद्व होंगी।

The project will seek to improve living standards in the Nizamuddin Basti, considerably enhance visitor experience and, through rehabilitation of critical monuments and civic open spaces, enhance the area's value and significance in terms of history, places of spiritual importance and recreation.

Physical surveys carried out to document and analyse the urban setting identified spatial problems, environmental concerns, open space utilization patterns and areas in urgent need of intervention to improve the quality of life in the Basti.

खुले स्थलों का विकास

बस्ती के किनारे की चार एकड़ खुली जगह का विकास किया जाएगा जिससे बस्ती के लोग इन खुली जगहों का उचित इस्तेमाल कर पाएँगें। महिलाओं, बच्चों और युवाओं की विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन पार्कों का सुधार किया जा रहा है।

Four acres of open space at the edge of the Basti is being sensitively landscaped to provide designed open space for community usage. This includes seperate parks devoted to use by women, childrens, playground for cricket and community festivals.



Open Space development

स्वच्छता

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत बस्ती में सामुदायिक शौचालय बनाए गए,'अपशिष्ट प्रबंधन कार्यक्रम' शुरू किया गया, बस्ती के किनारे बहते नाले से हज़ारों ट्रक कूड़ा–करकट हटाया और 100 से भी ज़्यादा घरों के शौचालयों को सुचारू रूप से नाले से जोड़ा गया। इन प्रयत्नों द्वारा बस्ती में स्वच्छता और बेहतर जन–स्वास्थ्य के साधनों की स्थापना हुई।

Building of community toilets, setting up waste management systems, removal of hundreds of truckloads of rubble and garbage, connecting over 100 private toilets to the sewerage system will lead to improved sanitary conditions and public health.



Sanitation

गलियों का सुधार

नगरपालिका द्वारा बस्ती की प्रमुख गलियों में सुधार लाया जाएगा। प्रस्तावित डिज़ाइन में बस्ती की अनूठी सांस्कृतिक विरासत और पहचान को बरक़रार रखकर, गलियों और चौराहों, चौक और स्मारकों के प्रवेश मार्गों को बेहतर बनाया जाएगा।

Principal streets of the Basti will be re-developed by the Municipality. The proposed designs give due consideration to the unique cultural identity of the Basti, highlighting street intersections, chowks and entries to significant areas and monuments.



Street Improvement Initiative



Developing dense neighbourhood

Nizamuddin Basti is one of the densest ensemble of medieval Islamic buildings in India.

Watercolour Painting by Himanish Das

ए.के.डी.एन. की इस परियोजना का उद्देश्य 700 साल पुरानी जीवंत–संस्कृति का पुनरूद्धार करना और उसे आज के स्वरूप के अनुसार ढ़ालकर सक्षम करना है। इस के अन्तर्गत यहाँ स्वच्छ और स्वस्थ माहौल पैदा करना, स्वास्थ्य से जुड़ी मौजूदा सुविधाओं में सुधार लाना, लोगों के इस्तेमाल के लिए खुली जगहों का विकास करना है। साथ ही बस्ती के लोगों को बेहतर शिक्षा और रोजगार–प्रशिक्षण देकर आमदनी के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

The AKDN initiatives aim to revive and revitalise the 700 year old 'living culture' of the medieval conclave and make it viable in the contemporary milieu. Creating a cleaner, healthier environment, improving existing healthcare facilities, developing open spaces for community use and generating economic opportunities through better education and livelihood training are already programmes in action.



"This is a transformed school along with its students. We need many more such initiatives in the capital"

Dr. Hamid Ansari
Vice President of India

School Improvement Initiatives



Co-funded by the **Sir Ratan Tata Trust**, education initiatives, apart from training teachers and support to students, the initiative here has focussed on one of the most neglected aspects of education in public schools—the building. Today, with the help of architects, teachers, parents, craftsmen, educationists, the school compares with the best schools in the city. The efforts have led to an over 50% increase in enrolment within one year with 425 girls and boys, of the basti, now attending school.



Implementation of Building as Learning Aid (BaLA)

Creating Opportunities | Improving Lives | Inspiring Communiti

शिक्षा संबंधी कार्यों में शामिल है- प्रारम्भिक शिशु देखभाल एवं विकास, एम.सी.डी. स्कूल में सुधार कार्य जिससे स्कूल को बेहतर बनाया गया और आज वहाँ 570 छात्र पढ़ते है, विषय संवर्धन कक्षाएँ और छात्रों को नए हुनर सिखाने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है।

Education initiatives address key community concerns and follow a life cycle approach. Initiatives include, Early Childhood Care and Development; Primary Education, including, rebuilding a school that now has 570 students; learning support to senior students; Vocational Education and Skill enhancement.



Working with Children | Working with Teachers | Working with Parents



Early Childhood Care & Development
प्रारम्भिक शिशु देखभाल एवं विकास

Primary School Education
प्राथमिक शिक्षा

Complimentary Education
विषय संवर्धन कक्षाएँ

EDUCATION INITIATIVES

LIVELIHOOD GENERATION

बस्ती में सिलाई और कढ़ाई का काम सिखाने के लिए प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किया गया है। इसके तहत सिलाई, मशीन की कढ़ाई और हाथ की कढ़ाई (आरी और ज़रदोज़ी कार्य) के काम सिखाए जा रहे हैं। साथ ही 'सेल्फ–हेल्प ग्रुप' बनाकर बाज़ार के साथ उनका संपर्क बनाने में सहायता दी जा रही है।

A training centre for tailoring and embroidery has been established at the Basti and advanced training in traditional hand embroidery is coupled with assistance to set up Self Help Groups and establish market linkages



सिलाई-कढ़ाई कार्यक्रम
Embroidery & Dress Design Programme

कम्प्युटर ट्रेनिंग
Computer Education

अंग्रेजी भाषा शिक्षक प्रशिक्षण
English Language for Employability

स्वास्थ्य–संबधिंत अनेक योजनाओं को कार्यान्वित किया जा रहा है। रोगों की रोकथाम, प्रजनन, प्रसूति, नवजात–शिशु, और शिशु–देखभाल जैसे स्वास्थ्य से जुड़े अनेक क्षेत्रों में काम हो रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आम लोगों को, खास कर महिलाओं और बच्चों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। वर्ष 2008 में स्थापित पैथोलॉजी लैब में अब तक 15000 से भी अधिक टेस्ट किये जा चुके हैं।

Several health based initiatives are being implemented with an integrated approach to the core areas of health care - preventive, reproductive, maternal, new born and child care. The endeavour aims to provide access to improved health care services for the community, especially women and children. A Pathology lab, established in 2008 has conducted over 15000 tests.

HEALTH INITIATIVES

बच्चा-बच्चा देखभाल
Mother & Child Care

एम.सी.डी पॉलीक्लीनिक का सुधार
Upgrading Clinical Facilities

स्वास्थ्य जागरुकता बढ़ाना
Community Outreach Network

स्वास्थ्य स्वयंसेवकों की ट्रेनिंग
Training of Health Workers Network

सुंदर नर्सरी : परियोजना

Sunder Nursery : landscape 6

20th सदी की शुरूआत में जब नई दिल्ली की नींव रखी जा रही थी तब नई राजधानी के लिए पौधें और वनस्पति स्त्रोत करने के लिए सुंदर नर्सरी की स्थापना हुई। यहाँ पर न सिर्फ भारत, बल्कि विदेशों से भी पौधों की अनेक प्रजातियों को लगाया गया।

शहरी स्तर पर प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर एक ऐसे बाग का निर्माण करना जो उद्यानों, जन सुविधाओं और पर्यावरण संरक्षण का उदाहरण केन्द्र हो। यह परियोजना 'प्रकृति से तालमेल' के भारतीय जीवन–शैली के मूलमंत्र पर आधारित होगी। ऐतिहासिक स्मारकों और मधुर प्राकृतिक दृश्यों से सजी इस नर्सरी में दिल्ली के चार विशिष्ट प्राकृतिक खण्ड बनाए जाँएगे। ये चार खण्ड हैं – रेतीले व दलदली जमीन, खुले मैदान,पर्वतों और नदी के किनारों जैसे क्षेत्र।

नर्सरी के कार्यों को सुचारू रूप से करने के लिए उत्तरी किनारे पर नौ एकड़ जमीन पर क्यारियाँ और नर्सरी के पूरे छोर पर एक सड़क बनाई गई है। सिंचाई के लिए न सिर्फ आधुनिक मशीनों का उपयोग किया जा रहा है, अपितु जल संसाधन के उपाय जैसे बरसात के पानी का भी पुनः प्रयोग किया जा रहा है।

Sunder Nursery was originally established in the early 20th century when the Imperial Delhi complex was being planned and constructed. It was here that trees and plants for the new British Capital were propagated and also testing of species brought from other parts of India and from overseas,

The landscape master plan aims to create a major landscape space of truly urban scale, deriving inspiration from the traditional Indian concept of congruency between nature, garden and utility coupled with environmental conservation. In addition to the formal landscape in the setting of the monuments, a micro-habitat zone is being created for flora that occupies Delhi's ridge, river edge, plains and other specialised zones such as desert and marshy areas.

To streamline nursery functions nine acres of nursery beds, accessible by the newly laid out peripheral road, have been prepared at the northern edge of the nursery. An effective irrigation system will optimise the use of water and integrate supply with rainwater harvesting.

DEVELOPING CITY PARK



Aligned with the large entrance plaza of Humayun's Tomb, Sunder Nursery will feature a spectacular pedestrian central axis.

Sketch by Himanish Das

SUNDER NURSERY LANDSCAPE PLAN



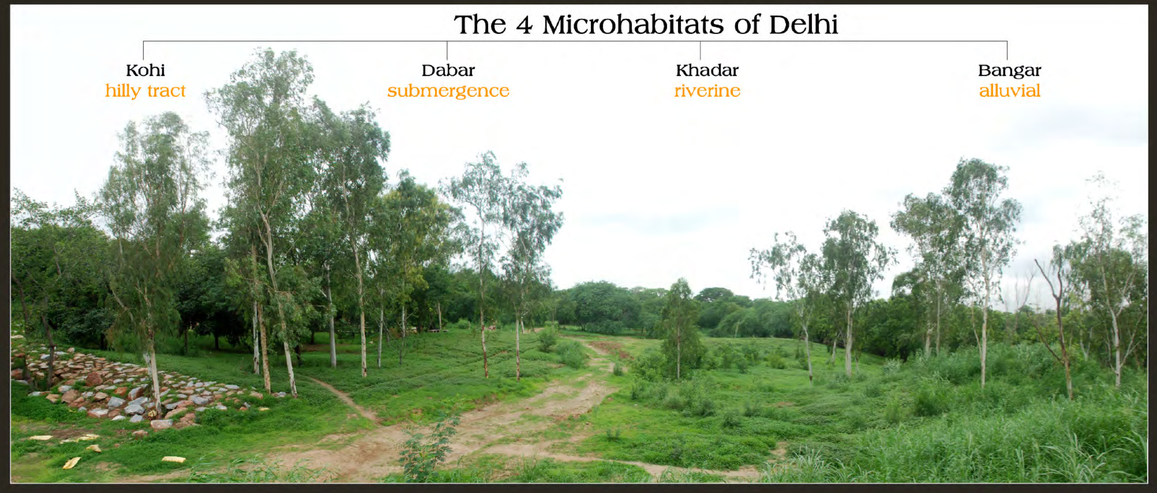
VIEWS OF THE NURSERY IN 2008



SHOWCASING DELHI'S MICROHABITAT



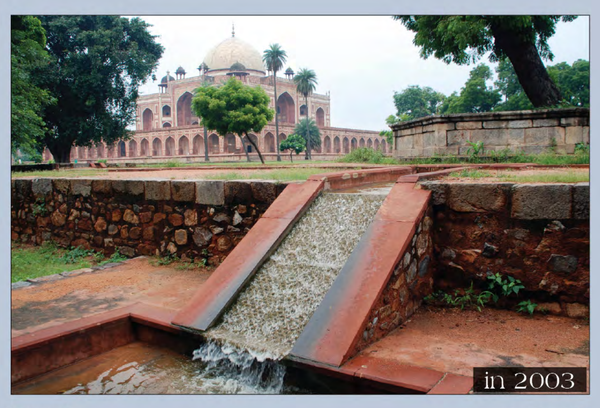
The 4 Microhabitats of Delhi





"Humayun's Tomb Garden Restoration,'is of course, the first privately funded restoration of a World Heritage Site in our country. The project has undoubtedly been an unqualified success, with the gardens, pathways, fountains and water channels of the chahar bagh having been brought close to their original perfection. Looking at the magnificent work that has been undertaken here, we cannot but be grateful to the Trust for its support and help. I hope that more public-private partnerships can be evolved to maintain, conserve and restore the monuments of our ancestors, which often lie in neglected condition in our cities."

--Dr Manmohan Singh,
Prime Minister of India, 27 November 2004


in 2003


in 1999

हुमायूँ के मक़बरे के बाग़ों का पुनरूद्धार कार्य भारत की स्वतंत्रता की 50वीं वर्षगाँठ के अवसर पर, महामहिम आग़ा ख़ान की ओर से एक उपहार था।

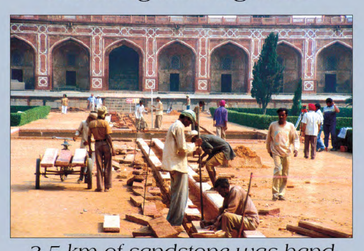
इस परियोजना का उद्देश्य मूल डिज़ाइन के अनुसार मक़बरे के बाग़ों, मार्गों, पानी की नहरों, तालाबों और फव्वारों को पुनः जीवन प्रदान करना था। इस कार्य के दौरान पानी के सुचारू बहाव को बनाए रखने के लिए पत्थर के चैनलों की मरम्मत एवं संरक्षण किया गयाय बाग़ की सिंचाई प्रणाली को पुनः स्थापित किया गया जिसके परिणामस्वरूप नहरों और फव्वारों में फ़िर से जान आई। जल संसाधन के अन्तर्गत वर्षा जल को एकत्र करके उसे नये हो सकने योग्य जलस्रोत में लगाया गया ताकि पुराने कुंओं और तालाबों जैसे भूमिगत जल–स्रोतों को फिर से भरा जा सके।

The restoration of the garden at Humayun's Tomb was a gift of His Highness the Aga Khan on the occasion of the 50th anniversary of India's Independence.

The objective of the garden restoration project was to revitalise and revive the gardens and its pathways, water channels, pools and fountains as per the original design. This necessitated the conservation, repair and rebuilding of the water channel system and the repair, extension and reactivation of the irrigation system to ensure that water flows naturally through the watercourses and fountains. It also entailed the establishment of renewable water sources using rainwater harvesting to recharge groundwater and historic wells.

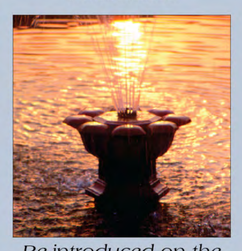
1997 GARDEN RESTORATION 2003

Restoring Flowing Water



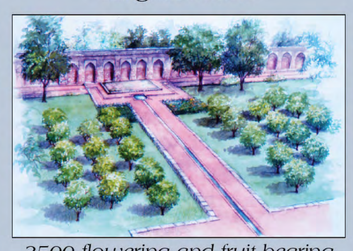
3.5 km of sandstone was hand-chiseled for channel repairs

Fountains



Re-introduced on the basis of archaeological excavations

Mughal Plants



3500 flowering and fruit bearing trees and shrubs planted in the enclosed garden

Discovering historic wells



Five wells that had been filled in were desilted as part of a major groundwater re-charge system

Pathway Repair



3 km of pathway edging was re-set and 250,000 sq feet of pathways relaid

Restoring earth levels



Over 3000 truck-loads of earth was manually removed to restore original pathway- garden levels

Archaeological Excavations



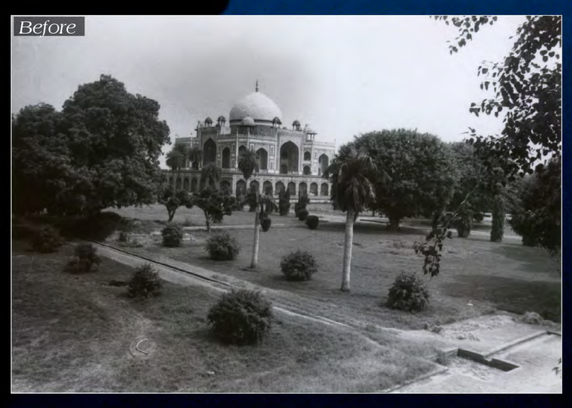
Revealed extensive water systems including terracotta pipes for fountains & aqueducts


After

Before


After

Before


Before


After

हुमायूँ के मक़बरे के बाग़ के पुनरूद्धार को सुदृढ़ करते हुए, अब मुख्य मक़बरे और परिसर के अन्दर निर्मित अन्य इमारतों का संरक्षण किया जा रहा है। इस संरक्षण कार्य से न केवल मक़बरे की इमारत को मज़बूती मिलेगी बल्कि इसके मूल डिज़ाइन, वास्तुशिल्प और निर्माण सामग्री की मौलिकता को भी क़ायम रखा जाएगा।

पूरे किये गये ख़ास कार्यों में शामिल है –20 वीं सदी में छत पर बिछाई गई कॉंकीट को हटाना जिससे मक़बरे पर 10 लाख किलो का अतिरिक्त भार पड़ रहा था ; निचले प्लेटफार्म के पत्थर पर बिछी कॉंकीट की सतह को हटाकर वहाँ पत्थर को पुनः स्थापित करना ; मक़बरे के ऊपरी प्लेटफार्म और अग्रभाग के जो पत्थर बदलने लायक़ हैं, उन्हें हटाकर नए पत्थरों को उचित प्रकार से लगाया जाएगा ; जगह जगह सीमेंट से किए गए पलस्तर को हटाकर पारम्परिक चूने पत्थर का पलस्तर किया जाएगा ; छतरियों पर से पहले से बदली गई सीमेंट टाइलों को हटाकर उनकी जगह नई टाइलें लगाई जाएँगी और पुरानी टाइलों को सुदृढ़ किया जाएगा।

Building on the Humayun's Tomb Garden Restoration, conservation works are now being carried out on the main mausoleum and other buildings within the complex. While conservation works aim to recover the architectural integrity of the mausoleum, authenticity of design, form and material is stringently maintained.

Amongst key completed works have been the removal of 1 million kilos of 20th century concrete from the roof, recovery and restoration of the stone paving of the lower plinth. The sandstone paving on the upper plinth needs a complete resetting to restore slopes and almost 8% of the façade stone is expected to be replaced while also replacing cement plaster with traditional lime plaster. Conservation of the canopies will include stabilization of existing tilework while restoring tiles where these have been replaced with cement.



Removal of 1 million kilos of excess concrete from the roof



Re-terracing of the roof using lime mortar

Roof Repairs



Cleaning and refilling stone joints with lime mortar

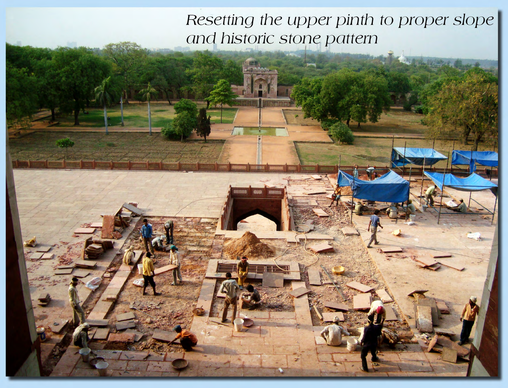
Dome



Condition mapping (Top) and Conservation Proposal for the tilework on the canopies

Sketch by Himanshi Das

Tilework



Resetting the upper pinth to proper slope and historic stone pattern

Upper Platform

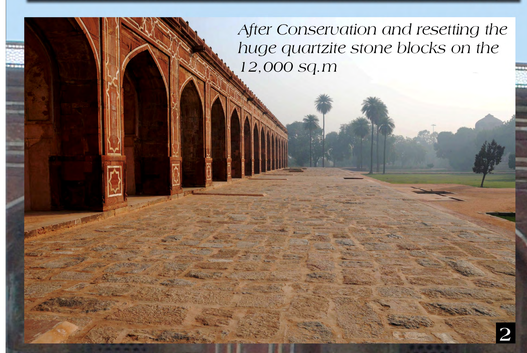


Craftsmen carefully lift a single stone, some of which weigh over 2000 kg

1

Lower Plinth

Removal of 20th century concrete lower plinth



After Conservation and resetting the huge quartzite stone blocks on the 12,000 sq.m

2



Before removal of concrete laid here in the 1950's

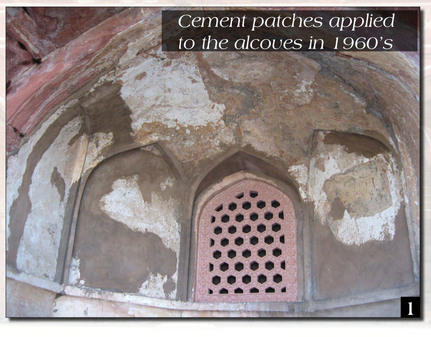
3

Plasterwork on Lower Chambers

Removal of the 20th century cement layers and restoring the ornamental star ceiling patterns on the lower alcoves

How ambitious, this scheme to restore the dignity of one of the outstanding monuments of the world. To match the standards of the time of the origin of the monuments. A new standard for conservation emerges for South Asia. I fully support your project philosophy that is based on the "spirit of the architecture".
I wish you success in regaining the blue colour of the canopies to restore the dignity of the building, which is more than a ruin: one of the most powerful structures in the world.

Prof. Dr. Niles Gutschow
Cluster of Excellence of Heidelberg University, "Asia and Europe in a Global Context"



Cement patches applied to the alcoves in 1960's

1

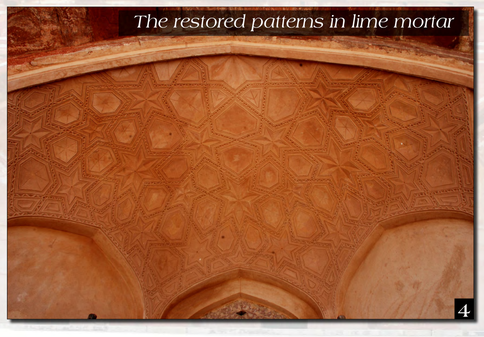


2



Ornamental pattern revealed on the removal of cement and paint layers

3



The restored patterns in lime mortar

4



Restoring the final lime plaster layer

5